01 15-1-25 पत्रावली आज वादी स्वयं व अधिवक्ता के पेश होने पर पेशी में ली गयी। वादी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र में अंकित किया कि वादी व प्रतिवादी का राजीनामा हो चुका है। राजीनामा के आधार पर मैं प्रार्थिया उक्त वाद पत्र को आगे चलाना नहीं चाहती हूं। अगर वाद इसी स्तर पर खारिज किया जाता है तो मुझ प्रार्थिया को कोई आपत्ति नहीं है।

ह. रश्मी

पद्मा

सुरज

अतः प्रार्थिया द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र इसी स्तर पर स्वीकार किया जाता है। दावा विड्रा किया जाता है। पत्रावली फैसला शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

उपखण्डाधिकारी

उपखण्ड अधिकारी
श्रीविजयनगर

Signature Not Verified

Digitally signed by Shakuntala
Date: 2025.04.01 10:00:10 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner